

संपादकीय

भगदड़ प्रशासनिक/व्यवस्थागत असफलता

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में अठारह लोगों की मौत हो गई जबकि अनेक घायल हुए हैं। प्रयागराज और मगध एक्सप्रेस के अतिरिक्त विशेष ट्रेनों से महाकुंभ जाने वालों की भीड़ स्टेशन पर बढ़ती जा रही थी।

रेलवे प्रशासन अत्यधिक भीड़ बढ़ने की वजह से यह घटना घटी बता रहा है। चश्मदीदी और यात्रियों का कहना कि पैदल पुल पर बेतहाशा बढ़ती भीड़ के कारण भगदड़ हुई। रेलवे पर कुछ ट्रेनों के अचानक रुक करने का आरोप है। हैरत की बात है, रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर कोई ऐसी व्यवस्था नहीं की गई जिससे भीड़ को बाहर ही रोका जा सके। लोगों ने ज्यादा टिकट बुक कराई तब भी रेल-प्रशासन नहीं चेता। कुचल कर मरने की ऐसी घटनाएं प्रशासनिक/व्यवस्थागत असफलता हैं।

इनकी लगातार पुनरावृत्ति बताती है, हम अभी भी उल्लेखनीय सदी में जी रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दंभ भरने वालों को इस भीषण भगदड़ में मारे जाने वालों के प्रति तनिक क्षोभ नहीं होता। महाकुंभ में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा अयोध्या और वाराणसी में भी प्रसिद्ध मंदिरों में दर्शन करने के दौरान भी हो रहा है। मगर वहां की अव्यवस्था को लेकर भी खबरें न के बराबर आ रही हैं।

निःसंदेह इतनी भारी भीड़ को संभालने में मुंी भर पुलिसकर्मी कभी सफल नहीं हो सकते। कुंभ के दरम्यान मची भगदड़ के बाद की तरह इस बार भी विपक्ष द्वारा सरकार पर मृतकों और घायलों की संख्या छिपाने का आरोप लगाया जा रहा है। अपनी नाकामी छिपाने तथा सच्चाई पर परदा डालने की बजाय सरकार को इन मौतों से सबक लेने के प्रयास करने चाहिए। भीड़ को नियंत्रित करने और सटीक अंदाजा लगाने वालों को प्रथम पक्ति में लाना होगा।

अक्षम अधिकारियों पर सख्ती करनी होगी, उन्हें सिर्फ घुड़क्री देने की रवायत के बाद हाथ झाड़ कर नहीं बैठना चाहिए। इस तरह के किसी भी बड़े आयोजन के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों को स्पष्ट दायित्व दिए जाने चाहिए। जनता की जान की कीमत कम कर आंकने की आदत पर सरकार को पश्चाताप करना चाहिए। श्रद्धालुओं को आमंत्रित करने और जबरदस्त प्रचार करने वालों को भारी संख्या में आने वालों को संभालने का तरीका भी खोजना होगा। अपनी पीठ खुद थपथपाने वालों को संवेदनशीलता से विचार करना ही होगा ताकि इस तरह की किसी भी दुर्घटना की पुनरावृत्ति से बचा जा सके। खासकर पर्व आयोजन जैसे अवसरों पर पूरी तैयारी जरूरी है।

महाकुंभ से स्थानीय व्यापार को भारी बढ़ावा, कुल व्यापार 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक के पार

महाकुंभ नगर

विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन महाकुंभ 2025 ने व्यापार और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के अनुसार, इस बार के महाकुंभ ने 3 लाख करोड़ रुपए (360 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक का व्यापार उत्पन्न किया है, जिससे यह भारत के सबसे बड़े आर्थिक आयोजनों में से एक बन गया है। सीएआईटी के महासचिव और सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह आयोजन आस्था और अर्थव्यवस्था के गहरे संबंध को दर्शाता है।



ने बताया कि शुरुआती अनुमान के अनुसार, 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने और 2 लाख करोड़ रुपए के व्यापार की संभावना थी, लेकिन देशभर में इस आयोजन को लेकर अभूतपूर्व उत्साह के कारण अब 60 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, जिससे कुल व्यापार 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने की संभावना है। महाकुंभ 2025 के दौरान कई व्यापारिक क्षेत्रों में बड़ा आर्थिक उछाल देखने को मिला। इनमें पर्यटन, होटल और आवास सेवाएं, खाद्य और पेय पदार्थ उद्योग, परिवहन और लॉजिस्टिक्स, पूजा

सामग्री, धार्मिक वस्त्र और हस्तशिल्प, हेल्थकेयर और वेलनेस सेवाएं, मीडिया, विज्ञापन और मनोरंजन उद्योग, स्मार्ट टेक्नोलॉजी, सीसीटीवी, टेलीकॉम और एआई आधारित सेवाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं।

महाकुंभ के कारण केवल प्रयागराज ही नहीं, बल्कि 150 किमी के दायरे में स्थित शहरों और कस्बों में भी व्यापार में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। इसके अलावा, अयोध्या, वाराणसी और अन्य धार्मिक स्थलों पर भी श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हुई है, जिससे वहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। महाकुंभ को सफल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रयागराज में सड़क, फ्लाईओवर और अंतरपास के निर्माण से सुधार पर 7,500 करोड़ रुपए खर्च किए

हैं। इस राशि में से 1,500 करोड़ रुपए विशेष रूप से महाकुंभ की व्यवस्थाओं के लिए आवंटित किए गए थे। इससे न केवल प्रयागराज में, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी यातायात और नागरिक सुविधाओं में सुधार हुआ है। अगर अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था।

1 फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई, इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी। माघी पूर्णिमा के महत्वपूर्ण स्नान पर्व पर भी 2 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पावन स्नान किया था।

गुगल पे चलाने पर अब देना होगा चार्ज



नई दिल्ली

गुगल पे का इस्तेमाल करते हैं तो आपके लिए इस खबर को पढ़ना जरूरी है। क्योंकि अब गुगल पे का इस्तेमाल करने पर आपको चार्ज देना पड़ेगा।

गुगल ने यूजर्स से कनविनियंस चार्ज वसूलना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर आप बिल पेमेंट के लिए क्रेडिट या फिर डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करेंगे तो 0.5 फीसदी से 1 फीसदी तक का चार्ज आपसे लिया जाएगा, इस चार्ज के अलावा आपको जीएसटी भी देना पड़ेगा। हालांकि, अब तक गुगल पे यूजर्स से बिल पेमेंट्स के लिए कोई भी अतिरिक्त चार्ज नहीं

लेता था। कनविनियंस चार्ज को लेकर फिलहाल गुगल पे ने कोई भी ऑफिशियल जानकारी नहीं दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जब एक ग्राहक ने जब बिजली बिल भरने के लिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया तो ऐप ने 1.5 रुपए की कनविनियंस फीस यूजर से चार्ज की है। इस फीस को डेबिट/क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन के लिए प्रोसेसिंग फीस नाम से ऐप में दिखाया जा रहा है जिसमें शामिल है।

गुगल पे के जरिए यूपीआई ट्रांजेक्शन पर चार्ज को लेकर फिलहाल कोई भी जानकारी नहीं है, ग्लोबल सर्विस फर्म के अनुसार, स्ट्रेटहोल्डर्स को यूपीआई ट्रांजेक्शन प्रक्रिया में 0.25 फीसदी खर्च करना पड़ता है।

चैंपियंस ट्रॉफी से रूल्ड आउट हुआ फखर जमान, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज मैच खेला जाने वाला है। लेकिन, इससे पहले मेजबान पाक टीम के लिए एक बुरी खबर आ रही है, ताजा रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि टीम के स्टार क्रिकेटर फखर जमान चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गए हैं। हालांकि, अभी तक आईसीसी या पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। चैंपियंस ट्रॉफी में पहले ही मैच में मिली हार के बाद पाकिस्तान

को एक और बड़ा झटका लगा है। सोशल मीडिया पर सामने आ रही रिपोर्ट्स की मानें, तो फखर जमान चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। मगर, आपको बता दें, फिलहाल इस खबर की किसी भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, बताया जा रहा है कि फखर के रिफ्लेक्समेंट के तौर पर पाकिस्तान टीम में इमाम उल हक की एंट्री हो सकती है, जिन्होंने आखिरी बार 2023 वनडे वर्ल्ड कप के दौरान पाकिस्तान के लिए वनडे मैच खेला था।

टेस्ला पूरी तरह से असेंबलड, महंगे मॉडल वाई के साथ कर सकती है भारत में एंट्री

नई दिल्ली

अमेरिकी इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता कंपनी टेस्ला इस साल के अंत में भारत में प्रवेश करने के लिए तैयार है। एलन मस्क द्वारा संचालित कंपनी टॉप-डाउन अप्रोच अपनाने के लिए तैयार है। कंपनी पहले देश में महंगे मॉडल लॉन्च करेगी और फिर सस्ते वाहन लॉन्च करेगी। इलेक्ट्रिक कार निर्माता कथित तौर पर अपनी बर्लिन गीगाफैक्ट्री से पूरी तरह से असेंबलड मॉडल वाई भारत में आयात करने के लिए तैयार है। इलेक्ट्रिक एस्प्यूवी यूरोप



में राइट-हैंड ड्राइव कॉन्फिगरेशन में निर्मित होती है।

सरकार द्वारा हाल ही में घोषित संशोधित आयात शुल्क संरचना को देखते हुए टेस्ला मॉडल वाई की कीमत 60-70 लाख रुपये होगी। देश ने 40 हजार डॉलर (लगभग 34,780 रुपये) से अधिक कीमत वाली हाई-एंड कारों पर मूल सीमा

शुल्क को 110 प्रतिशत से घटाकर 70 प्रतिशत कर दिया है।

राइट-हैंड-ड्राइव मॉडल 3 भी शंघाई में बनाया जाता है, लेकिन चीनी कार आयात पर बाधाओं के कारण पहले चरण में इसके आने की संभावना नहीं है। इसमें विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान में टेस्ला वाहनों की स्थानीय असेंबली की कोई योजना नहीं है। हालांकि, निकट भविष्य में ये योजनाएं बदल सकती हैं। टेस्ला, जिसका पुणे में एक कार्यालय है, कथित तौर पर देश

में अपना पहला शोरूम स्थापित करने के लिए मुंबई में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) और दिल्ली में एरोसिटी में स्थानों की तलाश कर रही है।

कंपनी ने कम से कम 13 नई भूमिकाओं के लिए विज्ञापन दिया है, जिनमें से ज्यादातर मुंबई और दिल्ली के बाजारों के लिए हैं।

लिव्हडन विज्ञापनों के अनुसार, इन नौकरियों में बिजनेस ऑपरेशंस एनालिस्ट, सर्विस टेक्नीशियन और कस्टमर एंजोमेन्ट मैनेजर और ऑर्डर ऑपरेशंस स्पेशलिस्ट सहित विभिन्न सलाहकार भूमिकाएं शामिल हैं।

प्रो लीग 2024-25 : भारतीय टीम आयरलैंड के खिलाफ मैचों में निरंतरता बनाए रखना चाहती है- हरमनप्रीत

भुवनेश्वर

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एकआईएच प्रो लीग 2024-25 में अपने अगले मैचों में आयरलैंड से भिड़ने के लिए तैयारियों में



निरंतरता बनाए रखने का लक्ष्य रखेगी, कप्तान हरमनप्रीत ने जोर देकर कहा कि हर मैच महत्वपूर्ण है, और टीम पिछली जीत की लय को जारी रखना चाहेगी। अपने अभियान की मिली-जुली शुरुआत के बाद, भारत आगामी मैचों में ठोस प्रदर्शन के साथ गति बनाए और अंक तालिका में ऊपर

दूसरे गेम में उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 2-0 की शानदार जीत के साथ जल्दी ही वापसी की। हालांकि, जीत की उनकी तलाश तब थम गई जब उन्हें अपने तीसरे मैच में जर्मनी से 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। चौथे मैच में भारत ने वापसी की और कप्तान हरमनप्रीत और उप कप्तान हार्दिक सिंह की वापसी की बंदोस्त

चढ़ने की कोशिश कर रहा है। मेजबान टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत स्पेन के खिलाफ 3-1 से हार के साथ की, लेकिन जर्मनी के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ जल्दी ही वापसी की। हालांकि, जीत की उनकी तलाश तब थम गई जब उन्हें अपने तीसरे मैच में जर्मनी से 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। चौथे मैच में भारत ने वापसी की और कप्तान हरमनप्रीत और उप कप्तान हार्दिक सिंह की वापसी की बंदोस्त

जर्मनी पर 1-0 से जीत हासिल की। दोनों ही चोट के कारण जर्मनी के खिलाफ पहले चरण में नहीं खेल पाए थे। काबिज भारत की कोशिश पेनल्टी कॉर्नर कन्वर्जन की समस्या को दूर करने की होगी, जो टूर्नामेंट में लगातार चुनौती रही है। अपने चार मैचों में 14 पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने के बावजूद भारतीय टीम इनमें से किसी भी मौके को गोल में नहीं बदल पाई है। आयरलैंड के खिलाफ मैचों से पहले बोलते हुए भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ये आगामी मैच हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि हम एकआईएच प्रो लीग में निरंतरता बनाए

रखना चाहते हैं और गति बनाए रखना चाहते हैं। हर मैच में सुधार करने और महत्वपूर्ण अंक हासिल करने का मौका होता है और हम जानते हैं कि आयरलैंड कड़ी चुनौती पेश करेगा। भले ही वे स्टैंडिंग में निचले स्थान पर हैं, लेकिन वे कड़ी टक्कर देने वाली टीम हैं और किसी भी प्रतिद्वंद्वी को चौंका सकते हैं, इसलिए हम उन्हें हलके में नहीं ले सकते। हमारा मुख्य ध्यान अपने पेनल्टी कॉर्नर रूपांतरणों को बेहतर बनाने पर होगा, जो एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हम संघर्ष कर रहे हैं। हम अवसर बना रहे हैं, लेकिन हमें उन्हें निष्पादित करने में अधिक नैदानिक होने की आवश्यकता है।

द प्राइड ऑफ भारत से ऋषभ शेट्टी की पहली झलक आई सामने, शक्ति और भक्ति के रंग में रंगे दिखे कांतारा स्टार

छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती मनाई जा रही है। ऐसे में द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज के मेकर्स ने मराठा किंग का फस्ट लुक जारी किया है, इस पोस्टर के जरिए महान मराठा योद्धा की शक्ति, भक्ति और जीता को दर्शाया गया है। शिवाजी महाराज की जयंती पर फिल्म मेकर संदीप सिंह ने द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज का फस्ट लुक जारी किया है, इस तस्वीर में मराठा किंग देवी भवानी के



सामने खड़े नजर आ रहे हैं। हालांकि चेहरे को गुम रखा गया है, इस पोस्टर में आध्यात्मिक ऊर्जा और इतिहासि भव्यता की झलक साफ दिखाई दे रही है, जो इस एपिक पीरियड ड्रामा के लिए एक माहौल तैयार कर रही है। फिल्म का फस्ट लुक को जारी करते हुए संदीप सिंह ने कैप्शन में

लिखा है, जय भवानी, जय शिवाजी, हर हर महादेव, महान योद्धा राजा, भारत के गौरव छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती पर, हम गर्व के साथ फस्ट लुक पेश कर रहे हैं, जिसमें पूरे नियमित बदलने वाले महान राजा की शक्ति और भक्ति को दर्शाया गया है, एक असाधारण टीम के साथ बहादुरी, सम्मान और स्वराज्य की उनकी असाधारण गाथा को जीवंत करना एक सर्वोच्च सम्मान है। 21 जनवरी 2027 को दुनिया भर के सिनेमाघरों पर छ छा जाएगा।

छावा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 5: 150 करोड़ी क्लब में शामिल छत्रपति संभाजी महाराज की फिल्म, 200 करोड़ से बस चंद कदम दूर

छावा 14 फरवरी को वैंलटाइन डे के मौके पर सिनेमाघरों में उतरी। मराठा राजा छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित इस फिल्म को लोगों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है, बड़े हो या बच्चे, इस पीरियड ड्रामा को देखने के बाद दर्शक अपने आंसू नहीं रोक पा रहे हैं, विककी कौशल, रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना स्टार को भी इसका सामना करना पड़ा।

किया है, खासकर महाराष्ट्र में, बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही इस फिल्म ने 5 दिनों में 150 करोड़ रुपयों का आंकड़ा पार कर लिया है। छावा ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार करते हुए धमाकेदार ओपनिंग की, हालांकि वीकेंड के बाद पहले सोमवार को भारतीय फिल्मों की कमाई में गिरावट आना आम बात है, विककी कौशल की फिल्म को भी इसका सामना करना पड़ा।

एक बदनम आश्रम का टीजर जारी, बाबा निराला बनकर लौट रहे बांबी देओल

हिट वेब सीरीज आश्रम ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। इस सीरीज ने बांबी देओल को नई पहचान दिलाई। उन्होंने तीन सीजन के जरिए फैस का मनोरंजन किया, जिसके बाद फैस इसके अगले भाग का इंतजार कर रहे थे। हाल ही में निर्माताओं ने आश्रम 3 के दूसरे भाग का एलान किया था। वहीं, अब निर्माताओं ने इस सीजन के तीसरे सीजन के दूसरे भाग का दमदार टीजर जारी कर दिया है।



आश्रम 3 पार्ट 2 के टीजर में एक बार फिर बांबी देओल का बाबा निराला वाला अंदाज देखने को मिल रहा है, जो बेहद चालाकी भरा है। हालांकि, टीजर को देखकर कहा जा सकता है कि पार्ट 2 में पम्मी का अहम रोल देखने को मिलेगा। बाबा निराला की सत्ता में वापसी, निष्ठावान अनुयायियों का अटूट विश्वास और अंदरूनी साजिशों की गूँज एक बदनम आश्रम सीजन 3- पार्ट 2 का टीजर है। इस बार कहानी और भी ज्यादा सस्पेंस और रोमांच से भरी होगी। टीजर में देखने को मिला कि पम्मी एक

बार फिर दमदार अंदाज में लौट आई हैं। इसके साथ ही बाबा निराला की भी खोई हुई ताकत वापस आ गई है और वे पहले से भी ज्यादा खतरनाक हो चुके हैं। साथ ही उनके अंधभक्त भी उनके एक इशारे पर कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके करीबियों के बीच तनाती भी साफ नजर आ रही है। पुराने राज अब बाहर आने वाले हैं और पुराने गद्दार फिर से बाहर आने की तैयारी में हैं।

नेशनल अवॉर्ड विनर प्रकाश झा द्वारा निर्देशित और निर्मित इस रोमांचक क्राइम ड्रामा में दमदार स्टार कास्ट देखने को मिलेगा। बांबी देओल के अलावा शो में अदिति पोहनकर, चंदन रॉय सान्याल, त्रिधा चौधरी, दर्शन कुमार, विक्रम कोचर, अनुप्रिया गोयनका, राजीव सिद्धार्थ और ईशा गुप्ता अहम भूमिका में नजर आएंगे। एक बदनम आश्रम सीजन 3- पार्ट 2 बहुत जल्द ही अमेजन एमएक्स प्लेयर पर मुफ्त में स्ट्रीम होने वाला है। मिलीजुली की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है।

शब्द सामर्थ्य- 333

बाएँ से दायें :

- अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो
- अम्बु
- बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ
- हल्कीनौद, चकमा, धोखा
- शक्कर पानी आदि का मीठा घोल
- सोते से उठाना, सावधान की इच्छा करने वाला
- प्रदीप्त करना
- चरमसोमा, रंग का, मटमैला
- पानी, आंसू
- बैठा हुआ, विराजित
- मृतप्राय, मृत्यु के करीब
- उपहार, भेंट
- खबर, संदेश
- ऊपर से नीचे
- गणपतिजी
- मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला
- चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रिवाज
- नियुक्त
- निशाचर, रात में विचरण करने वाला
- पेड़ का भड़ा जहाँ से शाखाएँ निकलती हैं
- मिठाई, खाने की मीठी चीज
- गुसबात
- श्रद्धा, स्वी, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य
- विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभाग्य
- प्रसिद्ध, नामवर
- स्वप्न, ख्याल
- करीब, नजदीक, समीप
- सुबह, प्रातः, सबेर।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 332 का हल

अ	भि	षे	क	प	स
जा	त	थ	थ	पा	ना
य	र	का	नी	भ्र	र
घ	घा	र	क	ष्ट	प्र
द	ना	त	नी	वं	ख
अ	मा	ज	मा	त	ल
स	जा			क	ज
बा	वे	स	हा	रा	ग
ब	गु	ला	रा	ज	दू
					त

सू-दोक्- 333

	3				7
9			6		8
	7		9	5	6
					9
3	8		7		5
1		3		9	7
8			2		4
			1		

नियम

- कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
- हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक रखा जा सकता है।
- बाएँ से दायें और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम्ब, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोक् क्र.332 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6